भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 4346**
बुधवार, 18 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

**पश्चिम बंगाल में तारामंडल का प्रस्ताव**

**4346. श्री सौमित्र खानः**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का पश्चिम बंगाल में एक आधुनिक तारामंडल अथवा अंतरिक्ष विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और बजट आवंटन कितना है और इसके लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का पश्चिम बंगाल जैसे पिछड़े क्षेत्र में विज्ञान और अंतरिक्ष शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ऐसी कोई परियोजना शुरू करने का विचार है ताकि स्कूली छात्रों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच और अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि विकसित हो सके; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय**
**तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री**
**(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :**

****

(क) और (ख)

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के प्रमुख केंद्रों में से एक है। एनआरएससी को उपग्रह डेटा प्राप्त करने हेतु भू-केंद्र स्थापित करने, डेटा उत्पाद तैयार करने, उपयोगकर्ताओं तक डेटा पहुंचाने, आपदा प्रबंधन सहायता सहित सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों के लिए तकनीक विकसित करने, सुशासन के लिए भू-स्थानिक सेवाएं प्रदान करने और पेशेवरों, शिक्षकों और छात्रों की क्षमता निर्माण करने का दायित्व सौंपा गया है।

एनआरएससी देश की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुदूर संवेदन डेटा और अनुप्रयोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई परिसरों के माध्यम से कार्य करता है। इसी के अनुरूप, सरकार ने सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (आरआरएससी) स्थापित किया है।

..2/-

इसके अतिरिक्त, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों के क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी गतिविधियां आयोजित करने के लिए इसरो ने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की स्थापना भी की है।

पश्चिम बंगाल में एक आधुनिक तारामंडल अथवा अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र की स्थापना की परिकल्पना उचित समय पर तैयार की जाएगी।

(ग) एवं (घ)

अंतरिक्ष विभाग / इसरो देश के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचने के उद्देश्य से **'स्पेस ऑन व्हील्स'** नामक छह मोबाइल अंतरिक्ष संग्रहालयों का संचालन कर रहा है। स्पेस ऑन व्हील्स ने देश भर के 24 से अधिक राज्यों का दौरा किया है। इस पहल को छात्र समुदाय और आम जनता द्वारा खूब सराहा गया है और यह इसरो की आउटरीच गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छात्रों, विज्ञान प्रेमियों और आम जनता के लाभ के लिए अंतरिक्ष विभाग / इसरो देश भर में ऐसी पहलों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने अंतरिक्ष प्रयोगशाला (स्पेस लैब्स) कार्यक्रम की परिकल्पना की है, जो अपनी तरह की पहली पहल है जिसका उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के भीतर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं का निर्माण करना है।

****